रोज़गार_ संवृद्धि, अनौपचारीकरण एवं अन्य

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» रोजगार और कार्य का महत्व

प्रश्न 1 (आसान). रोजगार का अर्थ क्या है?
उत्तर – आय अर्जित करने के लिए किया गया कोई भी काम।

प्रश्न 2 (आसान). कोई व्यक्ति क्यों काम करता है?
उत्तर – आजीविका कमाने, व्यक्तिगत संतुष्टि पाने और समाज में योगदान देने के लिए।

प्रश्न 3 (मध्यम). क्या घर के काम करने वाली गृहिणी का कार्य भी देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देता है, भले ही उसे वेतन न मिले?
उत्तर – हाँ, क्योंकि उसके काम से परिवार का पालन-पोषण होता है, जिससे घर के अन्य सदस्य बाहर काम कर पाते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से यह अर्थव्यवस्था में योगदान है।

प्रश्न 4 (कठिन). महात्मा गांधी ने शिक्षा और हस्तकलाओं के माध्यम से प्रशिक्षण पर क्यों जोर दिया था?
उत्तर – ताकि लोग सिर्फ मशीनों पर निर्भर न रहें, बल्कि अपने हाथों से काम करके आत्मनिर्भर बनें और सम्मानपूर्वक आजीविका कमा सकें। उन्होंने श्रम के महत्व को समझा था।

» श्रमिक और आर्थिक क्रियाएं

प्रश्न 5 (आसान). क्या एक रिक्शा चालक श्रमिक है? हाँ या ना?
उत्तर – हाँ

प्रश्न 6 (आसान). क्या एक छात्र जो पढ़ाई करता है, उसे आर्थिक क्रिया में शामिल किया जाएगा?
उत्तर – नहीं, सीधे तौर पर नहीं, क्योंकि वह वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन नहीं कर रहा।

प्रश्न 7 (मध्यम). एक वकील जो अपना खुद का ऑफिस चलाता है, क्या वह श्रमिक है? और उसकी गतिविधि क्या कहलाएगी?
उत्तर – हाँ, वह श्रमिक है। उसकी गतिविधि 'आर्थिक क्रिया' कहलाएगी क्योंकि वह अपनी सेवाओं से देश की जीडीपी में योगदान दे रहा है।

प्रश्न 8 (कठिन). एक व्यक्ति जो कारखाने में काम करता है और दूसरा व्यक्ति जो अपने खेत में सब्ज़ियां उगाकर बाज़ार में बेचता है। इन दोनों में से कौन 'स्व-नियोजित' है और कौन 'नियमित वेतनभोगी कर्मचारी' है? दोनों में से कौन श्रमिक है?
उत्तर – खेत में सब्ज़ियां उगाकर बेचने वाला व्यक्ति 'स्व-नियोजित' है। कारखाने में काम करने वाला व्यक्ति 'नियमित वेतनभोगी कर्मचारी' है। दोनों ही 'श्रमिक' हैं क्योंकि दोनों आर्थिक क्रियाओं में संलग्न हैं।

» कार्यकर्ता जनसंख्या अनुपात

प्रश्न 9 (आसान). अगर एक गाँव में 200 लोग हैं और 80 लोग काम करते हैं, तो कार्यकर्ता जनसंख्या अनुपात क्या है?
उत्तर – 40%

प्रश्न 10 (आसान). किस स्थिति में देश की आर्थिक भागीदारी अधिक मानी जाएगी - जब अनुपात 30% हो या जब 60% हो?
उत्तर – 60%

प्रश्न 11 (मध्यम). एक देश की जनसंख्या 10 करोड़ है। यदि उसका कार्यकर्ता जनसंख्या अनुपात 45% है, तो वहाँ कितने श्रमिक हैं?
उत्तर – 4.5 करोड़ श्रमिक

प्रश्न 12 (कठिन). भारत में ग्रामीण क्षेत्रों का कार्यकर्ता जनसंख्या अनुपात लगभग 42% है, जबकि शहरी क्षेत्रों का लगभग 38% है। इस अंतर के पीछे क्या मुख्य कारण हो सकते हैं, सोचकर बताओ?
उत्तर – ग्रामीण क्षेत्रों में आय के अवसर सीमित होने के कारण लोगों को जल्दी काम करना पड़ता है, जबकि शहरी क्षेत्रों में युवा शिक्षा और प्रशिक्षण में अधिक समय बिताते हैं, और उन्हें विविध रोज़गार के अवसर मिलते हैं।

» स्वनियोजित और भाड़े के श्रमिक

प्रश्न 13 (आसान). जो व्यक्ति अपना खुद का खेत जोतता है, वह किस प्रकार का श्रमिक है?
उत्तर – स्वनियोजित

प्रश्न 14 (आसान). जो व्यक्ति किसी निर्माण स्थल पर दिहाड़ी पर काम करता है, वह किस प्रकार का श्रमिक है?
उत्तर – भाड़े का श्रमिक (आकस्मिक)

प्रश्न 15 (मध्यम). एक वकील जो अपनी खुद की वकालत करता है और अपने मुवक्किलों से फीस लेता है, वह किस प्रकार का श्रमिक है?
उत्तर – स्वनियोजित

प्रश्न 16 (कठिन). बताओ, भारत में स्वनियोजित श्रमिकों की संख्या अधिक होगी या भाड़े के श्रमिकों की और क्यों?
उत्तर – भारत में स्वनियोजित श्रमिकों की संख्या अधिक है क्योंकि यहाँ खेती और छोटे व्यवसाय बहुत ज़्यादा हैं जहाँ लोग अपना काम खुद करते हैं।

» क्षेत्रवार रोजगार वितरण

प्रश्न 17 (आसान). ट्रैक्टर बनाने वाली फैक्ट्री में काम करने वाला मज़दूर किस क्षेत्र में आता है?
उत्तर – द्वितीयक क्षेत्र

प्रश्न 18 (आसान). एक मछली पकड़ने वाला व्यक्ति किस क्षेत्र में काम करता है?
उत्तर – प्राथमिक क्षेत्र

प्रश्न 19 (मध्यम). अगर एक शहर में 40% लोग दुकानों में काम करते हैं, 30% लोग स्कूलों में पढ़ाते हैं और 30% लोग इमारतें बनाते हैं, तो तीनों क्षेत्रों में कितने-कितने प्रतिशत लोग हैं?
उत्तर – प्राथमिक: 0%, द्वितीयक: 30%, तृतीयक: 70% (दुकानें और स्कूल दोनों सेवा क्षेत्र में आते हैं)

प्रश्न 20 (कठिन). भारत के आर्थिक विकास क्रम में श्रमशक्ति का कृषि से उद्योगों और सेवाओं की ओर प्रवाह क्यों होता है? संक्षेप में समझाओ।
उत्तर – आर्थिक विकास के साथ-साथ आय बढ़ती है, जिससे लोग बेहतर जीवन-स्तर और सुविधाओं की मांग करते हैं। कृषि से आय सीमित होती है, जबकि उद्योग और सेवा क्षेत्र में ज़्यादा आय और बेहतर रोज़गार के अवसर मिलते हैं, इसलिए लोग इन क्षेत्रों की ओर आकर्षित होते हैं।

» संवृद्धि और परिवर्तनशील रोजगार संरचना

प्रश्न 21 (आसान). यदि किसी देश का GDP बढ़ रहा है, तो क्या हमेशा रोजगार भी बढ़ेगा?
उत्तर – नहीं, यह ज़रूरी नहीं है। GDP बढ़ने पर भी रोजगार नहीं बढ़ सकता है।

प्रश्न 22 (आसान). 'रोजगारहीन संवृद्धि' का क्या अर्थ है?
उत्तर – इसका अर्थ है कि देश की GDP तो बढ़ रही है, लेकिन उस हिसाब से रोजगार के अवसर पैदा नहीं हो रहे हैं।

प्रश्न 23 (मध्यम). पिछले कुछ दशकों में भारत में रोजगार संरचना में क्या बड़े बदलाव देखे गए हैं?
उत्तर – कृषि क्षेत्र से लोग निकलकर सेवा क्षेत्र में जा रहे हैं, लेकिन औद्योगिक क्षेत्र में उतनी वृद्धि नहीं हुई है जितनी होनी चाहिए।

प्रश्न 24 (कठिन). अगर देश में 'रोजगारहीन संवृद्धि' की स्थिति हो, तो सरकार को किस तरह के कदम उठाने चाहिए?
उत्तर – सरकार को ऐसे उद्योगों को बढ़ावा देना चाहिए जो अधिक श्रम-प्रधान हों, कौशल विकास पर ध्यान देना चाहिए और छोटे व मध्यम उद्योगों का समर्थन करना चाहिए।

» भारतीय श्रमबल का अनौपचारिकीकरण

प्रश्न 25 (आसान). एक सरकारी अस्पताल की नर्स किस क्षेत्र में काम करती है?
उत्तर – औपचारिक क्षेत्र

प्रश्न 26 (आसान). एक रिक्शा चालक किस क्षेत्र में काम करता है?
उत्तर – अनौपचारिक क्षेत्र

प्रश्न 27 (मध्यम). एक बड़ी कंस्ट्रक्शन कंपनी जिसमें 500 मजदूर काम करते हैं, लेकिन उन्हें कोई बीमा या पेंशन नहीं मिलती। यह किस क्षेत्र में होगी?
उत्तर – तकनीकी रूप से यह 'औपचारिक क्षेत्र' की परिभाषा में आती है क्योंकि इसमें 10 से अधिक कर्मचारी हैं। लेकिन अगर यह कंपनी जानबूझकर कानूनों का उल्लंघन कर रही है और श्रमिकों को लाभ नहीं दे रही, तो यह 'अनौपचारिक' व्यवहार अपना रही है। आमतौर पर, बड़ी कंपनियों को औपचारिक ही माना जाता है जब तक कि स्पष्ट रूप से नियमों का पालन न करने की बात न कही गई हो।

प्रश्न 28 (कठिन). भारत में अधिकतर श्रमबल किस क्षेत्र में है – औपचारिक या अनौपचारिक? इसके क्या कारण हो सकते हैं?
उत्तर – भारत में अधिकतर श्रमबल अनौपचारिक क्षेत्र में है (लगभग 90% से ज़्यादा)। इसके कई कारण हैं जैसे- छोटे उद्योगों की अधिकता, कृषि क्षेत्र पर निर्भरता, शिक्षा और कौशल की कमी, औपचारिक क्षेत्र में नई नौकरियों की धीमी वृद्धि, और श्रम कानूनों का सही ढंग से लागू न होना।

» बेरोजगारी के प्रकार

प्रश्न 29 (आसान). जब एक व्यक्ति काम ढूंढ रहा हो लेकिन उसे कोई नौकरी न मिले, तो यह कौन सी बेरोजगारी है?
उत्तर – खुली बेरोजगारी

प्रश्न 30 (आसान). खेती में, जब फसल कटने के बाद किसानों के पास कोई काम नहीं होता, तो उसे क्या कहते हैं?
उत्तर – मौसमी बेरोजगारी

प्रश्न 31 (मध्यम). एक दुकान में जहाँ सिर्फ 2 लोगों की ज़रूरत है, लेकिन मालिक ने अपने 4 रिश्तेदारों को भी काम पर रख लिया है। यह कौन सी बेरोजगारी है और क्यों?
उत्तर – यह प्रच्छन्न बेरोजगारी है। क्योंकि 2 लोग ज़रूरत से ज़्यादा काम कर रहे हैं, जिनकी उस काम में कोई अतिरिक्त उत्पादकता नहीं है।

प्रश्न 32 (कठिन). रमेश एक पढ़े-लिखे नौजवान हैं, जिन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। उन्हें अपनी योग्यता के अनुसार कोई नौकरी नहीं मिल रही और वे पिछले 6 महीने से कोई भी काम नहीं कर रहे हैं। यह किस प्रकार की बेरोजगारी का उदाहरण है? भारत में इस तरह की बेरोजगारी क्यों आम है?
उत्तर – यह खुली बेरोजगारी का उदाहरण है। भारत में यह आम है क्योंकि रोजगार सृजन की दर धीमी है और बड़ी संख्या में युवा श्रम बल में शामिल हो रहे हैं, लेकिन उतनी नौकरियां पैदा नहीं हो रही हैं।

» सरकार और रोजगार सृजन

प्रश्न 33 (आसान). मनरेगा किस प्रकार के रोजगार सृजन का उदाहरण है?
उत्तर – यह एक ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम है, जो दिहाड़ी रोजगार प्रदान करता है।

प्रश्न 34 (आसान). अगर सरकार नया सरकारी अस्पताल बनाती है, तो वहाँ डॉक्टर और नर्सों की भर्ती _____ रोजगार का उदाहरण है।
उत्तर – प्रत्यक्ष

प्रश्न 35 (मध्यम). सरकार द्वारा दी गई कोई बड़ी सड़क परियोजना निजी कंपनियों के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार कैसे पैदा करती है?
उत्तर – सड़क बनाने के लिए निजी कंपनियों से सीमेंट, बजरी, मशीनें खरीदी जाती हैं, और इन कंपनियों में काम करने वाले लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलता है।

प्रश्न 36 (कठिन). क्या सरकार का रोजगार सृजन केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित है? ग्रामीण क्षेत्रों में इसके लिए क्या प्रयास किए जाते हैं?
उत्तर – नहीं, सरकार का रोजगार सृजन शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) जैसे कार्यक्रम चलाए जाते हैं, जो ग्रामीण परिवारों को दिहाड़ी रोजगार की गारंटी देते हैं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक व्यक्ति जो मिठाई की दुकान चलाता है और एक किसान जो खेत में काम करता है। इन दोनों के 'रोजगार' और 'कार्य' के महत्व को समझाइए।

› मिठाई वाला: इसका 'कार्य' है मिठाई बनाना और बेचना। इससे इसे 'रोजगार' मिलता है (पैसे कमाता है)। इसका महत्व यह है कि यह लोगों को मिठाई उपलब्ध कराता है, जिससे समाज में खुशियां आती हैं और यह देश की अर्थव्यवस्था में भी पैसे के लेन-देन से योगदान देता है।

› किसान: इसका 'कार्य' है खेत में फसल उगाना। इससे इसे 'रोजगार' मिलता है (अनाज बेचकर)। इसका महत्व यह है कि यह पूरे देश के लिए अनाज पैदा करता है, जिससे लोगों का पेट भरता है। यह भी राष्ट्रीय आय में सीधा योगदान देता है।

उत्तर – दोनों ही व्यक्ति अपने-अपने कार्य से आजीविका कमाते हैं और समाज व देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

उदाहरण 2. क्या एक घर की गृहिणी जो बच्चों को पढ़ाती है और घर संभालती है, उसे श्रमिक माना जाएगा? यह किस प्रकार की आर्थिक क्रिया में आता है?

› पहचानो कि क्या यह गतिविधि वस्तुओं या सेवाओं के उत्पादन में योगदान करती है।

› गृहिणी बच्चों को पढ़ाकर और घर संभालकर 'सेवाएं' दे रही है जो परिवार और समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

› भले ही सीधे पैसे का लेनदेन न हो, यह गतिविधि अप्रत्यक्ष रूप से देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में योगदान करती है, क्योंकि यह परिवार की देखभाल करती है जिससे अन्य सदस्य बाहर काम कर पाते हैं।

› परिभाषा के अनुसार, जो व्यक्ति आर्थिक क्रियाओं में संलग्न होता है, वह श्रमिक होता है।

उत्तर – हाँ, एक गृहिणी जो बच्चों को पढ़ाती है और घर संभालती है, उसे भी 'श्रमिक' माना जाना चाहिए। यह एक प्रकार की 'घरेलू आर्थिक क्रिया' है, भले ही इसके लिए नकद वेतन न मिले, क्योंकि यह देश के उत्पादकता में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देती है।

उदाहरण 3. मान लीजिए एक शहर की कुल जनसंख्या 50,000 है और वहाँ 20,000 लोग विभिन्न आर्थिक क्रियाओं में संलग्न हैं। इस शहर का कार्यकर्ता जनसंख्या अनुपात ज्ञात कीजिए।

› पहला कदम, हम कुल श्रमिकों की संख्या देखेंगे, जो यहाँ 20,000 है।

› दूसरा कदम, हम कुल जनसंख्या देखेंगे, जो 50,000 है।

› अब सूत्र लगाएंगे: (कुल श्रमिक / कुल जनसंख्या) * 100।

› तो, (20,000 / 50,000) * 100 करेंगे।

› पहले 20,000 को 50,000 से भाग देंगे, तो 0.4 आएगा।

› फिर इसे 100 से गुणा करेंगे।

उत्तर – इस शहर का कार्यकर्ता जनसंख्या अनुपात 40% है।

उदाहरण 4. रमेश एक छोटी सी मिठाई की दुकान चलाता है, और उसकी पत्नी सीमा एक स्कूल में टीचर है। रमेश और सीमा को श्रमिकों की किस श्रेणी में रखोगे?

› पहला, रमेश को देखो। वो अपनी खुद की मिठाई की दुकान चलाता है। उसने अपनी मेहनत और पैसा लगाया है। उसे कोई और वेतन नहीं देता, उसकी कमाई दुकान की बिक्री पर निर्भर करती है।

› तो 'स्वनियोजित' की परिभाषा यही थी – जो अपना खुद का उद्यम चलाता है और आय का जोखिम खुद उठाता है।

› इसलिए, रमेश एक 'स्वनियोजित' श्रमिक है।

› दूसरा, सीमा को देखो। वो एक स्कूल में टीचर है। स्कूल उसे हर महीने तनख्वाह देता है। वो स्कूल के लिए काम करती है।

› तो 'भाड़े के श्रमिक' की परिभाषा थी – जो दूसरों के लिए काम करते हैं और बदले में मजदूरी या वेतन पाते हैं।

› सीमा को हर महीने निश्चित वेतन मिलता है और वो नियमित रूप से स्कूल के लिए काम करती है, तो वो 'नियमित वेतनभोगी कर्मचारी' की श्रेणी में आएगी, जो 'भाड़े के श्रमिक' का ही एक प्रकार है।

उत्तर – रमेश एक 'स्वनियोजित' श्रमिक है और सीमा एक 'नियमित वेतनभोगी भाड़े की श्रमिक' है।

उदाहरण 5. मान लीजिए एक गाँव में 100 लोग काम करते हैं। अगर उनमें से 70 लोग खेती करते हैं, 15 लोग कपड़े सिलते हैं, और 15 लोग दुकान चलाते हैं, तो क्षेत्रवार रोजगार वितरण क्या होगा?

› पहचानो कि कौन-सा काम किस क्षेत्र में आता है।

› खेती करना - प्राथमिक क्षेत्र।

› कपड़े सिलना - द्वितीयक क्षेत्र (विनिर्माण)।

› दुकान चलाना - तृतीयक क्षेत्र (व्यापार, सेवा)।

› प्रतिशत निकालो: प्राथमिक = (70/100)*100 = 70%

› द्वितीयक = (15/100)*100 = 15%

› तृतीयक = (15/100)*100 = 15%

उत्तर – प्राथमिक क्षेत्र: 70%, द्वितीयक क्षेत्र: 15%, तृतीयक क्षेत्र: 15%।

उदाहरण 6. मान लीजिए, भारत की GDP वृद्धि दर 7% है, लेकिन रोजगार वृद्धि दर सिर्फ 2% है। यह किस तरह की संवृद्धि को दर्शाता है?

› सबसे पहले, हम देखेंगे कि GDP वृद्धि दर (7%) रोजगार वृद्धि दर (2%) से काफी अधिक है।

› इसका मतलब है कि देश की अर्थव्यवस्था तो तेज़ी से बढ़ रही है, लेकिन उस हिसाब से नए रोज़गार के अवसर पैदा नहीं हो रहे हैं।

› ऐसी स्थिति को 'रोज़गारहीन संवृद्धि' (Jobless Growth) कहा जाता है, जहाँ विकास होता है पर नौकरियां नहीं बढ़तीं।

उत्तर – यह 'रोज़गारहीन संवृद्धि' (Jobless Growth) को दर्शाता है।

उदाहरण 7. मान लीजिए आपके पड़ोस में एक छोटी कपड़ों की दुकान है जहाँ मालिक के अलावा 5 लोग काम करते हैं। उन्हें न तो कोई भविष्य निधि मिलती है और न ही कोई तय छुट्टी। क्या यह दुकान औपचारिक क्षेत्र में आएगी या अनौपचारिक क्षेत्र में? क्यों?

› पहला कदम: हमें देखना होगा कि क्या यहाँ 10 या उससे ज़्यादा कर्मचारी हैं। इस दुकान में कुल 6 लोग (मालिक + 5 कर्मचारी) हैं, जो 10 से कम हैं।

› दूसरा कदम: हमें देखना होगा कि क्या यहाँ सरकारी श्रम कानूनों का पालन हो रहा है और सामाजिक सुरक्षा लाभ मिल रहे हैं। प्रश्न में बताया गया है कि उन्हें भविष्य निधि या तय छुट्टी नहीं मिलती, जिसका मतलब है कि कानूनों का पालन नहीं हो रहा।

› तीसरा कदम: इन दोनों बातों के आधार पर, यह दुकान अनौपचारिक क्षेत्र में आएगी।

› निष्कर्ष: यह दुकान अनौपचारिक क्षेत्र में है क्योंकि इसमें 10 से कम कर्मचारी हैं और उन्हें सामाजिक सुरक्षा लाभ नहीं मिल रहे।

उत्तर – यह दुकान 'अनौपचारिक क्षेत्र' में आएगी।

उदाहरण 8. एक गाँव में एक किसान के पास 1 एकड़ ज़मीन है, जिस पर खेती करने के लिए उसे अधिकतम 2 मजदूरों की ज़रूरत होती है। लेकिन उसके परिवार के 5 सदस्य (पति, पत्नी और 3 बच्चे) उसी खेत में काम करते हैं। यहाँ कौन सी बेरोजगारी का प्रकार है और क्यों?

› सबसे पहले, खेत में असल में कितने मजदूरों की ज़रूरत है, यह देखो। यहाँ 2 मजदूरों की ज़रूरत है।

› अब देखो, कितने लोग वास्तव में काम कर रहे हैं। यहाँ 5 सदस्य काम कर रहे हैं।

› जितने लोग ज़रूरत से ज़्यादा काम कर रहे हैं (5 - 2 = 3), वे 'छुपे हुए' बेरोजगार हैं।

› क्योंकि ये लोग काम पर लगे तो दिख रहे हैं, लेकिन अगर ये 3 लोग काम न भी करें तो भी उत्पादन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

› तो, यह प्रच्छन्न बेरोजगारी का उदाहरण है।

उत्तर – यह प्रच्छन्न बेरोजगारी है, क्योंकि 3 लोग ज़रूरत से ज़्यादा काम पर लगे हैं और उनकी सीमांत उत्पादकता शून्य है।

उदाहरण 9. सरकार रोजगार सृजन में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कैसे योगदान करती है? एक उदाहरण से स्पष्ट करें।

› पहला कदम: प्रत्यक्ष रोजगार को समझो। यह वो नौकरियाँ हैं जो सीधे सरकार देती है।

› उदाहरण: रेलवे में कर्मचारियों की भर्ती करना, सरकारी बैंकों में मैनेजर्स की नियुक्ति करना, पुलिस में सिपाहियों को भर्ती करना। ये सब प्रत्यक्ष रोजगार के उदाहरण हैं।

› दूसरा कदम: अप्रत्यक्ष रोजगार को समझो। यह वो नौकरियाँ हैं जो सरकार के किसी काम की वजह से निजी क्षेत्र में पैदा होती हैं।

› उदाहरण: अगर सरकार ने कोई बड़ा बांध बनवाया। इस बांध को बनाने के लिए सीमेंट, लोहा, मशीनें चाहिए होंगी। ये सब चीजें निजी कंपनियां बनाती और सप्लाई करती हैं। उन कंपनियों में जो लोग काम करते हैं, या जो ट्रांसपोर्टर इन सामानों को पहुंचाते हैं, उन्हें सरकार के बांध बनाने के प्रोजेक्ट की वजह से काम मिला। यह अप्रत्यक्ष रोजगार है।

› निष्कर्ष: सरकार अपने विभागों और उद्योगों में सीधे नौकरियाँ देकर (प्रत्यक्ष), और अपने बड़े प्रोजेक्ट्स के ज़रिए निजी क्षेत्र को बढ़ावा देकर (अप्रत्यक्ष) दोनों तरह से रोजगार पैदा करती है।

उत्तर – सरकार सीधे अपने विभागों और उद्यमों में (जैसे रेलवे, बैंक) नौकरियाँ देकर प्रत्यक्ष रोजगार देती है, और जब सरकारी परियोजनाओं (जैसे बांध निर्माण) के लिए निजी कंपनियों से सामान खरीदा जाता है, तो उन कंपनियों में पैदा होने वाली नौकरियाँ अप्रत्यक्ष रोजगार कहलाती हैं।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में सीधा प्रश्न बनकर नहीं आता, लेकिन इसके आधार पर 'भारतीय अर्थव्यवस्था में श्रमिकों का योगदान' जैसे बड़े प्रश्नों के उत्तर लिखने में मदद मिलती है।

• यह परिभाषा अक्सर एक या दो नंबर के प्रश्न में सीधी-सीधी पूछ ली जाती है, खासकर 'स्व-नियोजित' वाले हिस्से पर ध्यान देना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर श्रमिकों के वर्गीकरण पर प्रश्न आते हैं, खासकर स्वनियोजित और भाड़े के श्रमिकों के बीच अंतर पर।

• बोर्ड परीक्षा में, इन तीनों क्षेत्रों के उदाहरण और उनके प्रतिशत वितरण से जुड़े सवाल अक्सर पूछे जाते हैं। सारणी 6.2 और 6.3 को ध्यान से समझना बहुत महत्वपूर्ण है।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'रोजगारहीन संवृद्धि' की परिभाषा और इसके कारणों पर अक्सर प्रश्न पूछे जाते हैं, इसलिए इसे ध्यान से समझें और लिखें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है। औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्र की परिभाषा, उनके बीच के अंतर और अनौपचारिक क्षेत्र में श्रमिकों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, इन बिंदुओं पर विशेष ध्यान दें।

• खुली बेरोजगारी, प्रच्छन्न बेरोजगारी और मौसमी बेरोजगारी की परिभाषाओं को उदाहरणों के साथ याद रखना, यह परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है।

• रोजगार सृजन में सरकार की भूमिका पर अक्सर सीधे प्रश्न आते हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के बीच का अंतर और मनरेगा जैसे कार्यक्रमों के नाम याद रखना बहुत महत्वपूर्ण है।

एक नज़र में रिवीज़न

› कार्य व्यक्तिगत संतोष, आजीविका और राष्ट्रीय विकास हेतु महत्वपूर्ण है।

› GDP में योगदान देने वाले सभी व्यक्ति श्रमिक, सभी गतिविधियाँ आर्थिक क्रिया।

› स्वनियोजित - अपना काम, भाड़े के श्रमिक - दूसरों के लिए काम।

› श्रमबल का प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक क्षेत्रों में विभाजन।

› संवृद्धि = GDP वृद्धि; रोजगार संरचना = नौकरियों के प्रकार, 'रोजगारहीन संवृद्धि' एक चुनौती है।

› औपचारिक = सुरक्षित नौकरी, लाभ; अनौपचारिक = असुरक्षित नौकरी, कोई लाभ नहीं।

› बेरोजगारी: काम की इच्छा-योग्यता पर काम न मिलना। प्रकार: खुली, प्रच्छन्न, मौसमी।

› सरकार प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।